E
Batch - 2020-21/ 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (द्वितीय वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर– २०२२

सत्र – ४

विषय : आधुनिक काव्य (भाग–२) (HDS - 401)

दि.: २०/१२/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : दो २.०० से दो ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'ग्राम्या' की कविताओं में चित्रित मानव जीवन के विविध रुपों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'ग्राम्या' की कविताओं में चित्रित ग्राम जीवन की दरिद्रता के कारणों को एव स्थितियों को विशद कीजिए ।

प्र. ३ कवि मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ 'रंगो में सुलगी हुई एक सुनहली शनाख्त' कविता के कथ्य एवं व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ कवि रघुवीर सहाय की कविताओं की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ कवि अज्ञेय की 'बावरा अहेरी' कविता के कथ्य और प्रतीक को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'जहाँ शब्द है ' काव्य संकलन की कविताओं का सोदाहरण मूल्यांकन कीजिए ।

प्र. ८ 'जहाँ शब्द है' काव्य संग्रह की कविताओं में चित्रित जनजीवन के विविध रुपों की सोदाहरण चर्चा कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) रे, दोन दिन का उसका यौवन,
दुःखों से पिस, दुर्दिन में घिस,
सपना छिन का, रहता न स्मरण,
जर्जर हो जाता, उसका तन ।

२) नहीं आँसुओं से आँचल तर,
जन बिछोह से हृदय कातर,
रोती वह रोने का अवसर ।

३) बात बोलेगी हम नहीं,
भेद खोलेगी बात ही !

४) मृण्मय काया जड थी,
उस चित् में, सत की बाती क्यों डाली ?
ऊपर से अंधे मनमें यह ललक जगा दी,
देखेगा दीवाली?

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) 'ग्राम' कवि की विशेषता

२) 'एक पीली शाम' के विचार

३) दे दिया जाता हूँ - कथ्य

४) महुआ